क्रमांक...../पीएस/पीए/2020 दिनांक मार्च, 2020

प्रति,

कुलपति,
समस्त शासकीय विश्वविद्यालय,
मध्यप्रदेश।

विषयः– कोरोना वायरस से बचाव में विश्वविद्यलयों की भूमिका एवं सोशल मीडिया।

हमारे प्रदेश एवं देश सहित दुनिया के अनेक देशों में कोरोना वायरस संक्रमण का प्रकोप चल रहा है। कोरोना वायरस से होने वाली कोविड–19 बीमारी का अभी तक कोई इलाज उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इस संक्रमण से बचाव ही एकमात्र रास्ता है। अतः शासन का यह महत्वपूर्ण दायित्व है कि उसके द्वारा बचाव के लिये बचाव की सही एवं तथ्यपूर्ण जानकारी समाज तक पहुँचे तथा गलत, भ्रामक जानकारियाँ और अफवाहों का खण्डन हो। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। प्रदेश के शासकीय विश्वविद्यालयों में लगभग 20.00 लाख छात्र नामांकित (Enrolled) हैं। यह एक बहुत बड़ी युवाशक्ति का समूह है। माननीय राज्यपाल महोदय चाहते हैं कि आपके मार्गदर्शन में इस युवाशक्ति का उपयोग समाज में कोविड–19 के बचाव के संदर्भ में सही जानकारी को प्रसारित करने एवं त्रुटिपूर्ण जानकारी को रोकने में उपयोग किया जाय। इस संबंध में निम्नलिखित अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित है :–

विश्वविद्यालय स्तर पर

1. पंजीकृत (Enrolled) छात्रों के मोबाइल एवं ई–मेल का डाटाबेस विश्वविद्यालय में आई. टी. सेल प्राप्त करे।

2. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर निम्नलिखित वेबसाइट के लिंक्स उपलब्ध करायेः–

   - **www.health.mp.gov.in**
   - **www.mohfw.gov.in**
   - **www.who.int**
   - **www.unicef.org**
   - **www.unicefiec.org**

3. उक्त वेबसाइट्स में उपलब्ध वस्तुपरक प्रचार–प्रसार सामग्री का लिंक एसएमएस के माध्यम से सभी विद्यार्थियों को भेजा जाय।

4. विश्वविद्यालय के पास उपलब्ध ई–मेल के माध्यम से सभी छात्रों से संपर्क की व्यवस्था बनाई जाय और आवश्यकतानुसार छात्रों को ई–मेल भी नियमित रूप से भेजे जायें। ई–मेल में विद्यार्थियों को कोविड–19 के संबंध में वस्तुपरक एवं तथ्यपरक जानकारी सोशल मीडिया में प्रसारित करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाय। साथ ही नियमित रूप से ई–मेल के माध्यम से विद्यार्थियों को कोविड–19 से बचाव के संबंध में वस्तुपरक जानकारी भेजी जाये।

5. विद्यार्थियों को विषयवार, कक्षावार एवं महाविद्यालयवार समूह बनाकर विश्वविद्यालय में उपलब्ध शिक्षकों एवं सोशल मीडिया फैकल्टी अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संपर्क में आये छात्रों के माध्यम से उक्त वेबसाइट में उपलब्ध जानकारी वॉट्सएप्प के माध्यम से भी छात्रों को भेजी जाये तथा उपरोक्त संदेश के साथ जानकारी का सोर्स भी दिया जाय।

छात्रों के स्तर पर

छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे वेबसाइट विश्वविद्यालय से प्राप्त ई–मेल, एसएमएस और व्हाट्सअप के माध्यम से प्राप्त जानकारी को उसका सोर्स उल्लेखित करते हुये समाज के विभिन्न वर्गों के पास वाट्सएप्प, एसएमएस, ई–मेल, इंस्टाग्राम एवं अन्य जो भी माध्यम हों, से उपलब्ध कराई जाय तथा प्रत्येक संदेश के साथ जानकारी का सोर्स भी दिया जाय।

फैकल्टी स्तर पर

विश्वविद्यालय की फैकल्टी समाज का श्रेष्ठतम बौद्धिक समुदाय है जो बहुत ही सरलता से सोशल मीडिया में उपलब्ध कोविड–19 से संबंधित जानकारी का परीक्षण कर समझा सकता है कि यह जानकारी तथ्यपरक है या भ्रामक। ये सभी शिक्षक प्रतिदिन दिन में सोशल मीडिया पर अपने संपर्क के आधार पर विभिन्न जानकारियों को चिन्हित करें और उसे प्रतिदिन विश्वविद्यालय द्वारा वाट्सएप्प *(मोबाईल नम्बर)* एवं ई मेल *(अंकित होगा)* पर भेजें। स्वास्थ्य विभाग से कोविड के संबंध में खण्डन के रूप में प्राप्त उत्तर नियमित रूप से छात्रों के माध्यम से समाज में प्रसारित करायें।

समूह में कार्यरत सभी व्यक्तियों से यह अपेक्षा है कि वे इन जानकारियों का स्वयं भी अक्षरशः पालन करें। इस संपूर्ण कार्यवाही का लक्ष्य यह है कि समाज में कोविड–19 को रोकने के लिये सोशल डिस्टेंसिंग, बार–बार हाथ धोने की आवश्यकता और घर पर बने रहने की अनिवार्यता का प्रचार–प्रसार हो और जागरूकता बढ़े ताकि माननीय प्रधानमंत्री जी के आव्हान पर प्रारंभ किया गया लॉक डाउन अपने लक्ष्य को प्राप्त करे।

(मनोहर दुबे)
राज्यपाल के सचिव
मध्यप्रदेश

पृष्ठांकन क्रमांक...../पीएस/पीए/2020 दिनांक मार्च, 2020

प्रतिलिपि : कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय राज्य का तकनीकी विश्वविद्यालय है। अतः विश्वविद्यालय सर्वोच्च प्राथमिकता पर सभी विश्वविद्यालयों को बल्क में ई–मेल, वाट्सएप्प और एसएमएस करने की सुविधा/सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराये या प्राप्त करने की व्यवस्था करे। यह संपूर्ण कार्यवाही युद्धस्तर पर अगले 48 घंटे में पूरी होना चाहिये। यदि इसके पहले हो जाय तो भी लाभप्रद रहेगा। विलंब होने पर इस संपूर्ण प्रयास का महत्व घट जावेगा।

राज्यपाल के सचिव
मध्यप्रदेश